देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 192 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
नाकामी से उपजी बेचैनी

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 6 नवंबर 2024

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 19.0°

79924.77 | 2 पन्नू पर बाइडन नीति से बढ़ी तल्खी | 7 36 साल के हुए स्टार बैटर विराट कोहली

क्यों नहीं बने क्रैश बैरियर, होगी जांच

सीएम ने पौड़ी-रामनगर पर क्रैश बैरियर नहीं बनाए जाने पर गंभीर रुख अपनाया

संवाददाता

देहरादून। अल्मोड़ा जिले में सोमवार को हुई बस दुर्घटना के शोक में राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया।

बैठक में सड़क हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त कर मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की गई और सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरी सरकार शोकग्रस्त परिवारों के साथ खड़ी है। अस्पतालों में भर्ती घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक साथ जलीं 11 चिताएं, हर आंख हुई नम

अल्मोड़ा के मरचूला में हुए बस हादसे के जख्म लोगों को और ज्यादा रुला रहे हैं। मंगलवार को कुमाऊं और गढ़वाल के करीब 25 से ज्यादा गांवों में मातम छाया रहा। हर क्षेत्र में बस के हताहतों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया। सल्ट के महादेव घाट पर 11 चिताएं एक साथ जलाई गईं। इस दौरान माहौल इतना गमगीन था कि हर कोई एक दूसरे को दिलासा देते-देते खुद ही बिलख पड़ा। अपने परिजन, करीबी, नाते रिश्तेदार और क्षेत्र के अपनेपन के नाते लोग दिवंगतों को अंतिम विदाई देने के लिए भारी संख्या में पहुंचे थे। वहा मौजूद लोगो ने कहा कि एक साथ इतनी चिताएं जलती हुई उन्होंने कभी नहीं देखी। यह हादसा अनेक परिवारों पर वज्रपात की तरह गिरा है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि इस हृदयविदारक दुर्घटना के शोक में राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के स्थान पर 8 नवम्बर को प्रदेश में सेवा दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश भर में सफाई अभियान चलाया जाएगा और नारी निकेतन, वृद्धाश्रमों, महिला आश्रमों में फल वितरण आदि सेवा कार्य आयोजित होंगे।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव गृह शैलेश बगौली और अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना ग्रस्त मार्ग पौड़ी-रामनगर पर क्रैश बैरियर नहीं बनाए जाने पर गंभीर रुख अपनाया है। लोक निर्माण विभाग को क्रैश बैरियर निर्माण के लिए विगत दो वर्ष में साढ़े सात करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा है कि धनराशि दिए जाने बावजूद क्रैश बैरियर क्यों नहीं बनाए गए। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर जांच के निर्देश दिए हैं।

- अल्मोड़ा जिले में हुई बस दुर्घटना के शोक में राज्य स्थापना दिवस से संबन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम निरस्त
- अब 8 नवंबर को प्रदेश में चलेगा सफाई अभियान, नारी निकेतन, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों आदि में फल वितरण कार्यक्रम

10 दिनों के भीतर बसों की उपलब्धता का आकलन कर लें

मुख्यमंत्री ने रोडवेज अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी मार्गों पर रोडवेज बसों की उपलब्धता हो। त्योहार के समय में अतिरिक्त बसें संचालित की जाएं। यदि बसें पर्याप्त नहीं हैं तो नई बसें खरीदने की व्यवस्था की जाए। ध्यान रखा जाए कि आम लोगों को आवागमन में किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।

संक्षिप्त समाचार

पुरी से दिल्ली आ रही ट्रेन में गोली चलने से हड़कंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओडिशा। ओडिशा के पुरी से दिल्ली आ रही ट्रेन में गोली चलने से हड़कंप मच गया। वारदात भद्रक के पास की है। स्थानीय पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को पुरी से आनंद विहार आ रही नंदनकानन एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या- 12815) में गोली चलने के कारण शौचालय का कांच टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। ट्रेन से सफर कर रहे यात्रियों को गोली चलने की जगह के आस-पास देखा गया।

महागठबंधन ने जारी किया घोषणा पत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन ने मंगलवार को संयुक्त रूप से अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र को श्एक वोट-सात गारंटी नाम दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेमंत सोरेन और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट से मदरसों को मिली बड़ी राहत

मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक, हाई कोर्ट का फैसला पलटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द किया गया था।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के फैसले के बाद राज्य के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने माना कि एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं।

सुको ने कहा कि सरकार मदरसा शिक्षा को लेकर नियम बना सकती है। किसी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सुको ने यह भी कहा कि मदरसा बोर्ड फाजिल, कामिल जैसी उच्च डिग्री नहीं दे सकता, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसी साल 22 मार्च को यूपी मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है और मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को नियमित स्कूलों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी।

यूपी में कुल 25 हजार मदरसे हैं, जिनमें से लगभग 16 हजार को यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा से मान्यता मिली है तो वहीं 8 हजार के करीब मदरसों को बोर्ड ने मान्यता नहीं दी है।

सुको के फैसले से गदगद मुस्लिम धर्म गुरु

मुस्लिम धार्मिक नेताओं और विपक्षी पार्टियों ने इस निर्णय का स्वागत किया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद राशिद फरंगी महली ने मदरसों के लिए एक बड़ी राहत बताया। उन्होंने कहा, "सरकार द्वारा बनाया गया कानून कैसे असंवैधानिक हो सकता है? हजारों लोग इन मदरसों से जुड़े हुए हैं, और सुको के इस फैसले ने उन्हें बड़ी राहत दी है। अब हम स्वतंत्र रूप से अपने मदरसे चला सकते हैं।"

संसद के शीतकालीन सत्र की तारीख का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की तारीख का एलान हो गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया है कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। सत्र की शुरुआत में परंपरागत तरीके से राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी। इसके अलावा शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदनों में कई अहम विधेयकों पर विचार किया जा सकता है। खबरों के मुताबिक सरकार श्एक देश एक चुनावश के मुद्दे पर चर्चा करा सकती है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक संसद सत्र के पहले सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाई जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार और लोकसभा स्पीकर सर्वदलीय बैठक भी कर सकते हैं। इससे पहले दो नवंबर को आई सूचना के मुताबिक संसद के शीतकालीन सत्र में श्वन नेशन वन इलेक्शनश और वक्फ कानून में संशोधन के लिए पेश विधेयक पर चर्चा के आसार हैं। विपक्ष के आक्रामक तेवरों को देखते हुए आगामी शीतकालीन सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब शीतकालीन सत्र में विधेयक पारित कराने पर जोर दिया जाएगा।

एलान

- 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगी लोस और रास की कार्यवाही

जेपीसी रिपोर्ट तैयार करने में जुटी

सत्र के दौरान हालांकि कई विधेयक पेश किए जाएंगे, मगर सबकी निगाहें वक्फ विधेयक और एक देश एक चुनाव विधेयक पर होगी। वक्फ विधेयक पर सरकार और विपक्ष के बीच जारी जबर्दस्त खींचतान के बीच संयुक्त संसदीय समिति रिपोर्ट तैयार करने में जुटी है।

बांदीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अतंर्गत बांदीपोरा के केटसन में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। इस एनकाउंटर में एक आतंकी ढेर हो गया है। एक नवंबर को बांदीपोरा में आतंकियों ने सुरक्षाबलों के कैंप पर हमला बोला था। उस दौरान जवानों ने आतंकियों का सामना करते हुए उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। जवाबी कार्रवाई में आतंकियों को दुम दबाकर भागना पड़ा।

- एक दहशतगर्द ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

वहीं, दूसरी ओर पुलिस के अनुसार पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा के बोंगम चोगुल जंक्शन पर घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने 22आरआर और 92 बीएन सीआरपीएफ के साथ मिलकर एक आतंकवादी सहयोगी आशिक हुसैन वानी को गिरफ्तार किया है।

उक्त आतंकी से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और 7 जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा इलाके को घेर लिया गया है और ऑपरेशन जारी है।

न्यूज डायरी

रूस से एस 350 एयर डिफेंस सिस्टम लेना चाहता है पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। भारत के रूस से 5 एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने के बाद से पाकिस्तानी सेना दहशत में है। रूस का यह अभेद्य रक्षा कवच इतना शक्तिशाली है कि पूरी पाकिस्तानी वायुसेना को घुटनों पर ला सकता है। इसको देखते हुए अब पाकिस्तान रूस से दोस्ती करने में जी जान से जुट गया है। पाकिस्तान की यात्रा पर हाल ही में रूस के पीएम आए थे और एससीओ समिट में हिस्सा लिया था। पाकिस्ध्तान ने रूस से एस– 400 देने की गुहार लगाई थी ताकि भारत की बराबरी की जा सके। रूस ने भारत के साथ दोस्ती को देखते हुए इसे देने से मना कर दिया था। इसके बाद अब खबरों के मुताबिक पाकिस्तान ने रूस से एस–400 की जगह पर एस–350 विटयाड एयर डिफेंस सिस्टम देने की गुहार लगा डाली है। रूस ने नहीं चाहता है कि पाकिस्तान को एस 400 देकर भूराजनीतिक रिश्ते खराब किए जाएं। भारतीय वायुसेना में 3 एस 400 को शामिल कर लिया गया है और बाकी बचे दो की आपूर्ति रूस ने साल 2025 में करने का वादा किया है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि रूस चाहता है कि दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान के बीच हथियारों की रेस तेज होने की बजाय संतुलन बना रहे। एस–350 रूस के एस 400 की तुलना में उतना शक्तिशाली नहीं है लेकिन फिर भी काफी प्रभावी है।

बैलट पेपर पर हिंदी नहीं बांग्ला है एकमात्र भारतीय भाषा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। न्यूयार्क में 200 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन यहां होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में मतपत्रों में अंग्रेजी के अलावा केवल चार अन्य भाषाएं शामिल की गई हैं। इस सूची में भारतीय भाषा का प्रतिनिधित्व बांग्ला कर रही है। एनवाइसी के चुनाव बोर्ड के कार्यकारी निदेशक माइकल जे रयान ने कहा कि एशियाई भाषाओं के रूप में चीनी, स्पेनिश, कोरियाई और बंगाली का नाम शामिल है। टाइम्स स्क्वायर के एक स्टोर में सेल्स एजेंट के रूप में काम करने वाले भारतीय मूल के सुभशेष ने इसे लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि क्वींस इलाके में रहने वाले उनके पिता जब वोट डालने जाएंगे तो उन्हें अब दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यहां रहने वाले भारतीय अंग्रेजी जानते हैं, लेकिन हमारे समुदाय में कई लोग हैं जो अपनी मूल भाषा में सहज हैं। इससे उन्हें मतदान केंद्र पर मदद मिलती है। न्यूयार्क के क्वींस इलाके में दक्षिण एशियाई समुदाय को पहली बार 2013 में मतपत्रों का बंगाली में अनुवाद मिला था। संघीय सरकार द्वारा 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान के तहत दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों को भाषा सहायता प्रदान करने का आदेश देने के लगभग दो साल बाद बंगाली भाषा के मतपत्रों को शामिल किया गया।

ईरान के हमले का खौफ! इजरायली पीएम नेतन्याहू के बेटे ने टाली शादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे अवनर नेतन्याहू की शादी सुरक्षा कारणों से टाल दी गई है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब ईरान ने इजरायली हमले का करारा जवाब देने की धमकी दी है। इजरायली मीडिया आउटलेट वाईनेट के अनुसार, अवनर नेतन्याहू ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने और उनकी पार्टनर एमिट यार्डेनी ने अपनी शादी को गर्मियों तक टालने का फैसला किया है। दोनों आने वाली 26 नवम्बर को शादी के बंधन में बंधन वाले थे। दोनों एक दूसरे को दो साल से डेट कर रह हैं। नेतन्याहू के बेटे और उनकी प्रेमिका ने एक बार पहले भी शादी की तारीखें आगे बढ़ाई थीं। पहले दोनों सितम्बर में शादी करने वाले थे, जिसे बढ़ाकर 26 नवम्बर किया गया था। अब उम्मीद है कि यह जून 2025 के मध्य में होगी। पिछले महीने हिजबुल्लाह के ड्रोन ने सीजेरिया तटीय क्षेत्र में स्थित नेतन्याहू को निजी आवास को निशाना बनाया था, इसके बाद से प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इजरायली सुरक्षा एजेंसियां एक स्थान को ढूढ़ने के प्रयास तेज किए गए हैं, जो हमले से सुरक्षित हों। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने अभी तक इसे लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया था कि जंग और ड्रोन खतरों के बीच सुरक्षा चिताओं के कारण बेंजामिन नेतन्याहू अपने बेटे की शादी स्थगित करना चाहते हैं।

पन्नू पर जो बाइडन की नीति से बढ़ी तल्खी

ट्रंप या हैरिस कोई बने राष्ट्रपति, भारत संग रिश्तों में आएगी दिक्कत

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्ध्यूयॉर्क। अमेरिका में नए राष्ट्रपति के सत्ता संभालने के साथ भारत और अमेरिका के रिश्ते कौन सी दिशा लेंगे, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इसमें हाल ही में खालिस्तान समर्थक गुर पतवंत सिंह पन्नू के मामले को लेकर दोनों देशों के बीच उपजे तनाव की अहम भूमिका हो सकती है। सिख फॉर जस्टिस संगठन का मुखिया पन्नू को भारत ने आतंकी घोषित कर रखा है। पूरे देशभर में उसके खिलाफ 16 केस दर्ज हैं। अमेरिका ने एक पूर्व भारतीय अधिकारी पर पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अमेरिका ने साफ कहा है कि पन्नू उनका नागरिक है, ऐसे में एक अमेरिकी नागरिक को खतरे में डालने या उसकी हत्या के प्रयास जैसी कार्रवाई को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत की ओर से जो किया गया उसकी जिम्मेदारी उसे लेनी ही होगी। अमेरिका में बसे ज्यादातर भारतवंशी इसे एक अहम मुद्दा मानकर चल रहे हैं और वे पन्नू के मुद्दे को लेकर भारत और अमेरिका के बीच उपजे तनाव से नाखुश हैं।

अमेरिका में बसे भारतीयों का मानना है कि वैश्विक राजनीति में भारत का कद अब बहुत ऊंचा हो चुका है, ऐसे में उसे किसी भी देश के दबाव के आगे झुकने की जरूरत नहीं। उनका यह भी कहना है कि हर मुल्क अपने देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। भारत के लिए भी यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला जिसे हल्के में कतई नहीं लिया जा सकता। लेकिन सार्वजनिक रूप से कोई भी भारतीय इस मामले में अमेरिका सरकार की आलोचना करने से बच रहा है। अमेरिका में करीब 52 लाख आप्रवासी भारतीय हैं।

अमेरिका में इन भारतवंशियों का दो वर्ग हैं। एक वह जिसे अमेरिका में रहते हुए 15 वर्ष से ज्यादा हो गए हैं और जिन्हें अब नागरिकता मिल चुकी है। दूसरा वह वर्ग है जो अभी यहां का नागरिक नहीं बना है और एच1 बी वीजा,स्टूडेंट वीजा या इसी तरह के अन्य वीजा के जरिए अमेरिका में रह रहा है। इनमें से करीब करीब 95 फीसदी लोग यहीं स्थायी रूप से बसना चाहते हैं और स्वदेश लौटने के इच्छुक नहीं हैं। जो अमेरिका के नागरिक हो चुके हैं, उनका भारत की अंदरुनी राजनीति से कोई बहुत सरोकार नजर नहीं आता, सिवाय इसके कि कब कौन सी सरकार वहां बन रही है। लेकिन जब बात अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों की आती है तो वह अपनी राय देने से नहीं चूकते क्योंकि कहीं न कहीं ये रिश्ते परोक्ष रूप से इन्हें यहां प्रभावित करते हैं। भारतीयों का मानना है कि पूरी दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का खुद को सिरमौर बताने वाले अमेरिका जैसे देश का यह दोहरा मापदंड कतई उचित नहीं है। हालांकि यहां बसे सिख समुदाय के विचार इसपर बंटे हुए हैं। कुछ इसे लेकर अमेरिका की नीति को गलत मान रहे लेकिन कुछ का समर्थन पन्नू के साथ दिखाई देता है। हालांकि अमेरिका के सिख समुदाय के कई लोग कनाडा की घटना की निंदा कर रहे हैं।

पाकिस्तान में सेना प्रमुखों का बढ़ेगा कार्यकाल, हंगामा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने सोमवार को प्रासंगिक कानूनों में संशोधन कर सेना प्रमुख सहित सशस्त्र सेवा प्रमुखों का कार्यकाल तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष कर दिया। इस दौरान संसद में जमकर हंगामा हुआ। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विरोध के बीच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या दोगुनी कर दी गई है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सेना, वायु सेना और नौसेना अधिनियमों में संशोधन के रूप में सेना, वायु और नौसेना प्रमुखों की सेवा की अवधि से संबंधित नियमों में कई बदलाव करने के लिए पाकिस्तान (सेना वायु सेनाध्नौसेना) अधिनियम संशोधन, 2024 पेश किया, ताकि सेवा प्रमुखों के कार्यकाल को बढ़ाया जा सके। सेना अधिनियम संशोधन विधेयक, 1952 के अनुसार, पाकिस्तान सेना में जनरल की सेवानिवृत्ति के नियम सेना प्रमुख पर लागू नहीं होंगे। इसके अलावा सदन ने पाकिस्तान वायु सेना अधिनियम, 1953 और पाकिस्तान नौसेना संशोधन विधेयक, 1961 को भी बहुमत से मंजूरी दे दी।

सेना अधिनियम में संशोधन के लिए प्रस्तावित विधेयक, पाकिस्तान सेना अधिनियम, 2024 का उद्देश्य सेना प्रमुख के कार्यकाल को तीन से बढ़ाकर पांच वर्ष करना है।

कौन बन रहा अमेरिकी राष्ट्रपति, मू डेंग ने कर दी भविष्यवाणी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए मतदान हुए। डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच टक्कर देखने को मिल रही है। हालांकि इस बीच थाईलैंड के एक चिड़ियाघर में पिग्मी हिप्पो मू डेंग एक बार फिर से चर्चाओं में हैं। बता दें कि मू डेंग ने भविष्यवाणी की है कि डोनाल्ड ट्रम्प 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे। दरअसल, मू डेंग ने एक तरबूज तोड़ा था जिस पर स्थानीय भाषा में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिखा हुआ था। पूर्वी थाईलैंड के चोनबुरी में खाओ खेवो ओपन चिड़ियाघर में एक प्रयोग किया गया और मू डेंग को इस परीक्षण के लिए पानी से बाहर बुलाया गया। इस प्रयोग में दो तरबूज रखे गए। एक तरबूज पर कमला हैरिस का नाम और दूसरे तरबूज पर डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिखा गया था। जिसमें से मू डेंग ने डोनाल्ड ट्रंप वाले तरबूज को चुना।

वोटर ने किया ट्रंप और कमला हैरिस की किस्मत का फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

9 भारतीय अमेरिकी भी मैदान में आजमा रहे किस्मत

अमेरिका। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुए। राष्ट्रपति पद की रेस के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। सात अहम राज्यों में से पेंसिल्वेनिया सबसे महत्वपूर्ण राज्य बनकर उभरा है, जिसके पास 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को इलेक्टोरल कॉलेज के वोट दिए जाते हैं। कुल 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट के लिए मतदान होता है। 270 या उससे अधिक इलेक्टोरल वोट पाने वाले उम्मीदवार को चुनाव में विजेता घोषित किया जाता है। अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से अधिकतर राज्य हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं, सिवाय 'स्विंग' राज्यों के।

नौ भारतीय अमेरिकी भी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव) के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से पांच फिर से चुनाव लड़ रहे हैं और तीन कांग्रेस कार्यालय में अपना पहला प्रयास कर रहे हैं। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस ने अपना चुनाव अभियान समाप्त कर दिया है। दोनों उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव के पहले नतीजे न्यू हैम्पशायर के डिक्सविले नॉच से आए हैं। यहां पर छह लोगों ने वोट किया, जिसमें 3 वोट डोनाल्ड ट्रंप जबकि 3 वोट कमला हैरिस को मिले हैं, जो दोनों के बीच कड़ी टक्कर दिखा रहा है। इसके पहले 2016 में यहां 6 वोट पड़े थे, जिसमें 4 हिलेरी क्लिंटन और 2 डोनाल्ड ट्रंप को मिल थे। 2020 में 5 वोट पड़े थे और सभी जो बाइडन के खाते में गए थे।

ग्रैंड रैपिड्स में आखिरी रैली के दौरान ट्रंप ने कहा, इस देश के हर नागरिक से मैं आपके वोट का सम्मान मांग रहा हूं। आपके राष्ट्रपति के तौर पर मैं हर दिन अपनी हर सांस के साथ आपके लिए लडूंगा। हम सब मिलकर इस महान देश को बचाएंगे, जिससे हम प्यार करते हैं, हम वॉशिंगटन में भ्रष्ट व्यवस्था को हराएंगे।

खालिस्तानियों से ठीक से नहीं निपट रहे हैं जस्टिन ट्रूडो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन में मंदिर में हुई हिंसा के मामले में पूर्व कनाडाई सांसद और मंत्री उज्जवल देव दोसांझ बड़ा दावा किया है। दोसांझ का कहना है कि कनाडा में खालिस्तानी हिंदुओं और सिखों में फूट डालने के प्लान पर काम कर रहे हैं। उनकी ये कोशिश सिर्फ कनाडा ही नहीं बल्कि भारत के लिए भी है। खालिस्तानी चाहते हैं कि हिंदू–सिखों में यह विभाजन भारत में भी फैल जाए। 77 साल के कनाडाई राजनेता दोसांझ ने एनडीटीवी से बातचीत में ये दावा किया है।

पंजाब के जालंधर में जन्मे और कनाडा में लंबे समय से सक्रिय उज्जल देव दोसांझ ने ब्रैम्पटन मंदिर की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, श्खालिस्तानी हिंसा लंबे समय से कनाडा में एक मुद्दा रही है। यह कुछ समय के लिए शांत हो गई थी लेकिन मौजूदा सरकार में यह फिर से भयानक रूप में सामने आई है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

भगवान केदारनाथ की शीतकालीन पूजाएं शुरू

आस्था

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंची

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से सेना के बैंड के भक्तिमय धुनों तथा स्थानीय वाद्य यंत्रों के साथ समारोह पूर्वक मंगलवार दोपहर बाद शीतकाल गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंच गयी है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा पंचमुखी डोली का भव्य स्वागत किया गया। आज के दिन हेतु ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया है। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ जी की डोली के दर्शन किये। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचने के अवसर पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी है तथा डोली यात्रा में शामिल सभी को धन्यवाद दिया है। कहा कि भगवान केदारनाथ की

पंचमुखी डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंचने के बाद श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में भगवान केदारनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू है गयी है।

बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने भी भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंचने पर शुभकामनाएं दी हैं। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि बीते रविवार 03 नवंबर भैयादूज को श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद हुए थे। सोमवार को भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली रामपुर से प्रस्थान कर शायं को श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची।

मंगलवार को भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली ने श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से प्रातः 9 बजे श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान हुई। श्रद्धालुओं ने डोली का पूरे यात्रा मार्ग गुप्तकाशी बाजार, विद्यापीठ, कुंड, संसारी, ऊखीमठ मंदिर मार्ग पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया। श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचने पर बाबा केदारनाथ की डोली का भव्य स्वागत हुआ।

उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट बीते 04 नवंबर सोमवार दोपहर को बंद हुए तथा श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली ने कल चोपता प्रवास किया आज उत्सव डोली चोपता से भनकुन पहुंची तथा कल 06 नवंबर को भी भनकुन प्रवास करेगी। 07 नवंबर को पंचमुखी उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचेगी इसी के साथ श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जायेंगी।

इस अवसर पर मठापति रामप्रसाद मैठाणी, डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित, प्रबंधक बलबीर नेगी, चंद्र मोहन बजवाल, पुजारी विनोद मैठाणी, प्रकाश मैठाणी रवीन्द्र मैठाणी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

बस के टायर के नीचे आई चार साल की मासूम बच्ची, पिता ने भी तोड़ा दम

संवाददाता देहरादून। देहरादून मोटर मार्ग पर बस की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्ची की घटना स्थल पर मौत हो गई है। वहीं मोटर साइकिल चला रहे बच्ची के पिता ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में दोनों पिता–पुत्री ने अपनी जान गवां दी। मंगलवार को उत्तरकाशी नौगांव में दर्दनाक हादसे में पिता–पुत्री की जान चली गई। बस नौगांव से देहरादून के लिए चली थी कि एक किमी आगे पहुंचने पर सामने से आ रहा मोटरसाइकिल सवार बैंड पर टर्न लेने की वजह से बस के पिछले हिस्से से टकरा गया, जिससे चार वर्षीय बच्ची छिटक कर बस के टायर के नीचे आ गई। इससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। पिता ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। अस्पताल में पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हैं। बस चालक को चौकी में बैठा कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

सरकारी योजनाओं को पहुंचाने में गल्ला विक्रेताओं की बड़ी भूमिकाः रेखा आर्या

संवाददाता हरिद्वार। कैबिनेट मंत्री मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि गरीबों तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने में गल्ला विक्रेताओं की बड़ी भूमिका है। कहा कि हम कोरोना काल का वो वक्त नहीं भूल सकते जब राशन विक्रेताओं ने विषम परिस्थितियों में हर घर तक अन्न पहुंचाने का पुण्य कार्य किया। कहा कि अगर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की सफलता का श्रेय किसी को जाता है तो वो सस्ता गल्ला दुकान विक्रेताओं को ही जाता है। यह बातें उन्होंने सम्मेलन के दौरान कही। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मामलों की मंत्री रेखा आर्या ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर फेडरेशन के अध्यक्ष ने मंत्री का आभार व्यक्त किया।

जेके टायर को वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 144 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

संवाददाता देहरादून। भारतीय टायर उद्योग की प्रमुख कंपनी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड परिणामों की घोषणा की। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, चेयरमैन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा कि जेके टायर ने श्रेणी में कम मांग के बावजूद यात्री कार खंड में अपनी मात्रा और उपस्थिति को बरकरार रखा । वाणिज्यिक वाहन खंड में भी आम चुनाव और असामान्य भारी बारिश के कारण तिमाही के दौरान राजस्व वृद्धि प्रभावित हुई। इस तिमाही के दौरान निर्यात में सुधार से घरेलू मंदी की आंशिक भरपाई करने में मदद मिली।

गाइडलाइन के अनुसार सभी व्यवस्थाएं समय से करें सुनिश्चित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपादित कराने के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए प्रेक्षकों ने जिसमें सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन, व्यय प्रेक्षक हेमंत हिगोनिया ने नोडल अधिकारियों के साथ जिला कार्यालय सभागार में बैठक कर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन ने उपस्थित नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिस स्तर से जो भी व्यवस्थाएं एवं तैयारी की जानी हैं वह व्यवस्थाएं निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी मतदान केंद्रों में समुचित शौचालय, विद्युत एवं पानी तथा रैंप की उचित व्यवस्था के साथ–साथ बेहतर साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने नोडल अधिकारी लेखन सामग्री को भी निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री को समय से तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि दूरस्थ पोलिंग बूथों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था का उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने नोडल अधकारी कार्मिक को निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन में तैनात किए गए कार्मिकां को ईवीएम एवं वीवीपैट्स के संबंध में उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

संवाददाता चमोली। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने मंगलवार को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम व वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। वेयर हाउस में ईवीएम निरीक्षण करने के दौरान पूरी प्रक्रिया की फोटो एवं वीडियोग्राफी की गई। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, नायब तहसीलदार दीप्ति शिखा, बीजेपी से सतेन्द्र सिंह असवाल, कांग्रेस पार्टी के नगर महामंत्री मदन लोहानी, आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रभारी अनूप सिंह रावत आदि मौजूद थे।

गरीब कैदियों को जमानत और जुर्माना देने में दी जा रही मदद

संवाददाता

चमोली। सजा पूरी होने के बाद भी जो कैदी आर्थिक तंगी के कारण जेल से रिहा नहीं हो पा रहे है, उनकी रिहाई के लिए केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता योजना से आर्थिक मदद दी जा रही है। जिला कारागार पुरसाडी में बंद दो गरीब कैदियों को अब तक जमानत राशि देकर रिहा किया जा चुका है, जबकि तीन अन्य गरीब कैदियों के प्रस्ताव प्रक्रिया में चल रहे है।

जिला मजिस्ट्रेट संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जेल में बंद गरीब कैदियों की रिहाई के संदर्भ में सशक्त समिति की बैठक हुई। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली से प्राप्त जिला कारागार

जेल में बंद गरीब कैदियों की रिहाई के संदर्भ मे हुई बैठक

पुरसाडी में बंद तीन गरीब कैदियों के प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया। कैदियों की आर्थिक स्थिति के बारे में जांच आख्या स्पष्ट न होने के कारण जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी के माध्यम से एक बार पुनः तीनों कैदियों की आर्थिक स्थिति के संदर्भ में उनके मूल निवास स्थान पर जांच की जाए।

इसमें कैदियों के संपत्ति, राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, सामाजिक पेंशन, सरकारी योजनाओं का लाभ एवं अन्य प्रकार के वित्तीय लाभ के बारे में स्पष्ट जांच आख्या प्रस्तुत करें। ताकि कैदियों की रिहाई के लिए योजना के तहत

जमानत/जुर्माना धनराशि दी जा सके। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि जमानत जुर्माना राशि को कम करने के लिए भी कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाए।

समिति की बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार, वरिष्ठ कारागार अधीक्षक त्रिलोक चंद्र आर्य सहित संबधित अधिकारी मौजूद थे।

घायलों से मिले पूर्व सीएम हरीश रावत

संवाददाता ऋषिकेश। एम्स में मंगलवार को पूर्व सीएम हरीश रावत ने अल्मोड़ा में हुइ सड़क दुर्घटना के घायलों से मुलाकात की। उन्होंने एम्स निदेशक से सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने का आग्रह किया। मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ऋषिकेश एम्स पहुंचे। वहां उन्होंने सल्ट मार्चुला में हुई बस दुर्घटना में घायल मरीजों का हाल चाल जाना और साथ ही एम्स डायरेक्टर मीनू शर्मा से सभी के उचित इलाज की व्यवस्था बनाए रखने को कहा। उन्होंने इलाजरत चिकित्सकों को सभी दुर्घटनाग्रस्त लोगों का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्य सचिव उत्तराखंड शासन राधा रतूड़ी से फोन पर वार्ता कर निर्देशित किया कि शासन–प्रशासन एक प्रोटोकॉल अधिकारी शीघ्र नियुक्त करें, ताकि किसी भी मरीज व उनके तीमारदारों को किसी भी दिक्कत का सामना न करना पड़े।

नाकामी से उपजी बेचैनी

विदेशी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। लेकिन जैसा कि हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है।

अनुज श्रीवास्तव।।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर घटना है। इस हमले से न केवल आतंकवादियों की बौखलाहट का पता चलता है बल्कि उनकी बदली प्राथमिकताओं का भी अंदाजा मिलता है।

पिछले कई वर्षों से सुरक्षा बलों की चौकसी के चलते जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी। ऐसे इलाकों को चुना गया जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले और टूरिस्टों का आना कम हो। मगर ये तमाम चालें निष्फल साबित हुईं।

चुनाव में बाधा डालने का उनका प्रयास भी नाकाम रहा। न केवल लोकसभा चुनाव बल्कि विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्वक संपन्न हुए। इतना ही नहीं, इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बने। ऐसे में अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे।

गौर करने लायक बात है कि इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखता है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए टूरिस्टों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

जाहिर है, विदेशी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। लेकिन जैसा कि हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं। सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता।

बिजनेस

अशोक वोहरा। शालू जब भी जलेबी की दुकान बोलती थी उसके दुकान के सामने बच्चे जो किया ना होते हैं वहां जाते थे लेकिन सालों से बिल्कुल भी अच्छा नहीं करती थी। को सब्जी अनाथ बच्चों को मदद किया करते थे जिस कारण से वह व्यक्ति है देख कर बहुत ज्यादा खुश हो जाता था। शालू हमेशा से ही ऐसे ही काम किया करती थी वह अनेक वाली काम तथा धार्मिक वाली काम बहुत ज्यादा किया करती थी। जो बूढ़ा व्यक्ति उसके जलेबी बनाने वाली बिजनेस में मदद किया था वह भी आसपास देखकर बहुत ज्यादा मुस्कुराया करता था। महीने के अंत तक पहुंच गया था बिजनेस बहुत अच्छी चल रही थी कि फिर से जिलेबिया लोगों को बहुत ज्यादा पसंद आ रही थी। जो बूढ़ा व्यक्ति उसके साथ जिलेबिया बनाया करता था वह हंस जलेबियां बनाने में बहुत ज्यादा निपुण था जिस कारण से सभी लोगों को उसकी जिलेबिया काफी ज्यादा पसंद आ रही थी।...**शेष कल**

धर्म-दर्शन

संपादकीय

दुनिया को डर

भारत में हुए जी20 सम्मेलन के तुरंत बाद दक्षिण एशिया को यूरोप से जोड़ने वाला एक जल-स्थल मार्ग बनाने की घोषणा की गई, जिसे अरब की खाड़ी पार करके संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इस्राइल होते हुए भूमध्य सागर में उतरना था और इटली, स्पेन, फ्रांस होते ब्रिटेन तक चले जाना था। इसमें गाजा पट्टी के ही एक छोर पर स्थित हैफा बंदरगाह की भी महत्वपूर्ण भूमिका होनी थी, जिसे भारत की ही एक निजी कंपनी बना रही है। यह रास्ता फलस्तीन से ही गुजरना था, लेकिन नब्बे लाख से ज्यादा फलस्तीनियों का कहीं नाम भी नहीं लिया गया। लेकिन इस देश की सीमाएं सख्ती से तय न करने का नतीजा यह रहा कि इस्राइल ने फलस्तीनियों को पूरा ही निगल लिया। दुनिया की नजर अभी ईरान और इस्राइल के बीच बने हुए तनाव पर है और उनकी झड़प अगर खिंचती चली जाती है तो इससे दुनिया का बहुत नुकसान होगा। इसे रोकने के लिए जिससे जो बन पड़े, करना होगा लेकिन फलस्तीनियों के साथ हो रहे अन्याय की चिंता भी भविष्य पर नहीं छोड़ देनी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जोसफ बाइडन से हाल में इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस्राइल को जवाबी कार्रवाई संयत तरीके से ही करनी चाहिए, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले के विचार से वे सहमत नहीं हैं।

बाइडन की राय

चंद्रभूषण।।

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई में 4 अक्टूबर, दिन शुक्रवार की एक बड़ी भूमिका हो सकती है। यहूदी नए साल का जश्न 2 अक्टूबर से शुरू होकर 4 अक्टूबर की शाम तक चलना है। दूसरी तरफ, ईरान में इस जुमे की सामूहिक नमाज देश के शीर्ष धार्मिक नेता अयातुल्ला खामनेई के नेतृत्व में पढ़ी जानी है। चर्चा है कि इजरायल अपना त्योहार पूरा होने के साथ ही ईरान पर कोई बड़ा जवाबी हमला करेगा।

दोनों देशों की सीमाएं कहीं सटतीं नहीं, लिहाजा हमले की शक्ल हवाई ही हो सकती है। और कोई जमीनी शक्ल इसकी बनी भी तो उसमें टैंक नहीं, छोटे विस्फोटक ही चलेंगे। इस्राइली खुफिया संस्था मोसाद की आस्तीन में ऐसे कुछ पत्ते हमेशा मौजूद होते हैं। कौन सोच सकता था कि हमास ग्रुप का नेता इस्माइल हानिया ईरान में ही मारा जाएगा, या हिज्बुल्लाह ग्रुप के मरजीवड़े घर बैठे अपने पेजरों के शिकार हो जाएंगे! जो भी हो, लेबनान पर इजरायल के हमले के जवाब में ईरान ने उस पर लगभग 200 ताकतवर मिसाइलें दागीं और उसके एक सैन्य हवाई अड्डे को काफी नुकसान पहुंचाया, ऐसे में ईरान पर इजरायल का बड़ा हवाई हमला एक-दो दिन के अंदर होना ही है। देखने की बात सिर्फ इतनी है कि यह हमला कहां होता है और कितनी ताकत से होता है।

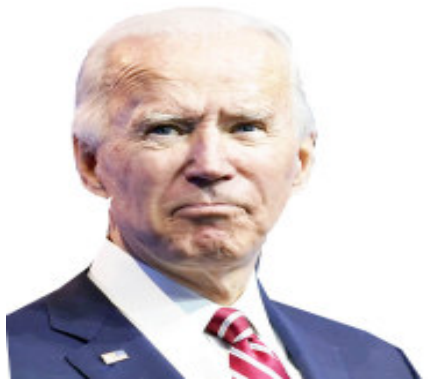

इजरायली मीडिया में महीनों से चर्चा है कि ईरान के परमाणु संयंत्र यहूदी राष्ट्र के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर सकते हैं, लिहाजा उन्हें तबाह कर देना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जोसफ बाइडन से हाल में इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस्राइल को जवाबी कार्रवाई संयत तरीके से ही करनी चाहिए, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले के विचार से वे सहमत नहीं हैं।

अनुमान है कि इजरायल की मिसाइलें और बम ईरान के तेल और गैस के ठिकानों पर गिरेंगे। छह महीने पहले कमोबेश ऐसे ही प्रकरण में ईरान के मिसाइली हमलों का जवाब उसने एक मिसाइल डिफेंस बैटरी को नष्ट करके दिया था, जिसे उसकी 'विनम्र प्रतिक्रिया' माना गया था। इस बार हमला बड़ा था तो जवाबी हमला भी बड़ा होना चाहिए। ईरान के लिए विदेश व्यापार की अकेली सामग्री तेल और गैस ही है, लिहाजा इसके उत्पादन ढांचे को हुए नुकसान का झटका वह यकीनन महसूस करेगा। लेकिन इससे पेट्रो पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय कीमतें एक झटके में ऊपर चली जाएंगी, जो अमेरिका अपने आम चुनाव के आखिरी महीने में हरगिज नहीं चाहेगा। इजरायल की स्थापना के समय से ही उसके इर्दगिर्द बना हुआ तनाव दुनिया का स्थायी सिरदर्द है, लेकिन गौर से देखें तो 1973 तक फलस्तीन को इस्राइली कब्जे से आजाद कराने की सभी चार लड़ाइयों को हम अरब-इजरायल युद्ध के रूप में ही याद करते हैं। उस समय फलस्तीन की अरब पहचान हुआ करती थी और कमाल की बात यह कि इस अरब पहचान को तब मुस्लिम पहचान से भी ऊपर समझा जाता था।

1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान ने फलस्तीन को इस्लामी मुद्दे की शक्ल देनी शुरू की और फलस्तीन के भीतर और उसके इर्दगिर्द के कुछ गुटों को हथियार और पैसे बांटने लगा। नतीजा यह कि छोटी सी रियासत कतर को छोड़कर आज एक भी अरब मुल्क फलस्तीन के साथ नहीं खड़ा है। न सऊदी अरब, न यूएई, न इजिप्ट, न इराक।

सूडोकु नवताल-5382

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल-5381 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

अपना ब्लॉग

कैसे आए यहूदी

मोहन। इसमें कोई शक नहीं कि फलस्तीन के लोगों के साथ अन्याय हुआ है। इस्राइल नाम का कोई मुल्क पिछले दो हजार साल से दुनिया में नहीं था। बीसवीं सदी की शुरुआत में विशाल तुर्क साम्राज्य के एक कोने में अरबों से घिरी यहूदियों की एक-दो बस्तियां हुआ करती थीं। उनसे कहीं बड़ी आबादी वहां ईसाइयों की थी, और मुख्य आबादी सुन्नी अरब मुसलमानों की। लेकिन दोनों विश्वयुद्धों के बीच में कहां-कहां से यहूदियों ने वहां आकर जमीनें खरीदनी शुरू कीं, घर बनाकर वहीं रहने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इन्हीं को केंद्र बनाकर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस की सहमति से ध्वस्त तुर्की साम्राज्य में यहूदियों का एक छोटा सा धार्मिक राष्ट्र बनाने का फैसला किया गया, जिसके वैटिकन सिटी से थोड़ा बड़ा होने की उम्मीद की गई थी। 7 अक्टूबर 2023 को गाजापट्टी के फलस्तीनी उग्रवादी गुटों ने इस्राइल में घुसकर जो दरिंदगी मचाई उसे दुनिया का कोई भी शरीफ इंसान सही नहीं ठहरा सकता। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इसके ठीक पहले तक इस्राइल को लेकर दुनिया का बरताव कुछ ऐसा था जैसे फलस्तीनियों की मुश्किलें सिर्फ किस्सों-कहानियों की चीज हों।

शाहरुख खान ने झारखंड से आए फैन की पूरी की मुराद

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान 2 नवंबर को 59 साल के हुए। उन्होंने जन्मदिन मनाया लेकिन मन्नत की बालकनी पर नहीं आए। ऐसे में कई फैंस उनके इंतजार में मायूस होकर लौट गए। मगर एक ऐसा था, जिसने हिम्मत नहीं हारी। वह झारखंड से आया था और 95 दिन से उनसे मिलने का इंतजार कर रहा था। इस उम्मीद में कि किंग खान उससे मुलाकात करेंगे। आखिरकार ऐसा हुआ भी। एक्टर ने अपने उस फैन्स से न सिर्फ मुलाकात की। बल्कि उसके साथ फोटो भी खिंचवाई। शाहरुख खान से मिलने पहुंचे फैंस का नाम शेख मोहम्मद अंसारी है। इंस्टैंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में, फैन ने बताया कि उन्होंने शाहरुख खान से मिलने के लिए एक महीने से ज्यादा समय तक अपना काम–धाम बंद रखा। उन्होंने एक्टर को अपना फेवरेट हीरो भी कहा। एक्टर से मिलने का इंतजार कर रहे अंसारी की दिली इच्छा पूरी हुई और किंग खान के साथ फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि शाहरुख के जन्मदिन पर फैन मीटअप के कार्यक्रम में अंसारी की मुलाकात हुई थी। पोस्ट में लिखा था, शकिंग खान उस फैन से मिले जो झारखंड से आया था और उनसे मिलने के लिए मन्नत के बाहर 95 दिनों से अधिक समय से इंतजार कर रहा था!

ओरी ने कुछ ऐसा किया कि उर्फी जावेद के कानों से निकलने लगा धुआं

उर्फी जावेद और ओरी यानी ओरहान अवत्रामणि दोनों अपने यूनीक अंदाज और स्टाइल को लेकर चर्चा में रहते हैं। उर्फी और ओरी ने इस बार भी कुछ अजूबा किया और अपना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में उर्फी के पीछे ओरी नजर आ रहे हैं। ओरी ने वीडियो शेयर कर लिखा है, श्माय राइड एंड देन डायश। इस वीडियो में सामने खड़ी उर्फी को दोनों कानों के पास ओरी अपना हाथ मरोड़ते दिख रहे हैं, ये ठीक वैसा ही दिख रहा जैसे वो बाइक या स्कूटर को एक्सलरेट करते दिख रहे हों। मजेदार ये है कि जैसे ही वो हाथों को घुमाते हैं, उर्फी के नाक और कान से धुआं निकलता है। लोगों ने इस वीडियो पर खूब मजे लिए हैं। एक ने कहा– ये तो हम भूल ही चुके हैं। एक और ने कहा– 90 के दशक की राइड। एक और ने कहा– शानदार बाइक है ओरी भाई, आप तो जादूगर हो। एक ने कहा– ओरी, अब इलेक्ट्रिक गाड़ी पर शिफ्ट हो जाओ। बता दें कि ओरी बता चुके हैं कि उर्फी उनकी अच्छी दोस्तों में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ पार्टियां करते नजर आ जाते हैं। ओरी को अक्सर बॉलीवुड की पार्टियों में देखा जाता है। यूं तो वो करीना से लेकर तब्बू और कटरीना हर एक्ट्रेसेस के साथ नजर आ जाते हैं, लेकिन कहते हैं कि वो बॉलीवुड के जेन जी के बीच खूब पॉप्युलर हैं।

पुष्पा 2 में श्रद्धा कपूर नहीं श्रीलीला करेंगी आइटम डांस नंबर

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की रिलीज का हम सभी को बेसब्री से इंजतार है। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी पुष्पाः द रूल आखिरकार, अब 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। साल 2021 में रिलीज पुष्पाः द राइज में सामंथा रुथ प्रभु का आइटम नंबर ऊ अंटावा तो आपको याद होगा ही। इस गाने ने ऐसी धूम मचाई कि इसका असर आज भी है। लंबे समय से यह चर्चा रही है कि पुष्पा 2 में भी एक ऐसा ही धमाकेदार आइटम नंबर है। लेकिन इस बार सामंथा नहीं होंगी। इस डांस नंबर के लिए जान्हवी कपूर से लेकर श्रद्धा कपूर तक का नाम आया। लेकिन अब ताजा जानकारी है कि यह गाना श्रीलीला की झोली में जा गिरा है। बीते दिनों यह कहा गया था कि स्त्री 2 की सुपर सक्सेस को देखते हुए मेकर्स ने श्रद्धा कपूर को पुष्पा 2 में आइटम डांस नंबर के लिए अप्रोच किया है। लेकिन अब बताया जा रहा है कि वहां बात नहीं बनी। ऐसे में अल्लू अर्जुन के साथ पर्दे पर अब खूबसूरत एक्ट्रेस और बेहतरीन डांसर श्रीलीला का जलवा देखने को मिलेगा। सूत्र के हवाले से कहा है, अल्लू अर्जुन एक बेहतरीन डांसर हैं और बहुत कम ही लोग उनकी गति और खूबसूरती की बराबरी कर सकते हैं।

फिल्म जो ऐसी फ्लॉप हुई कि डायरेक्टर का करियर कर दिया खत्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

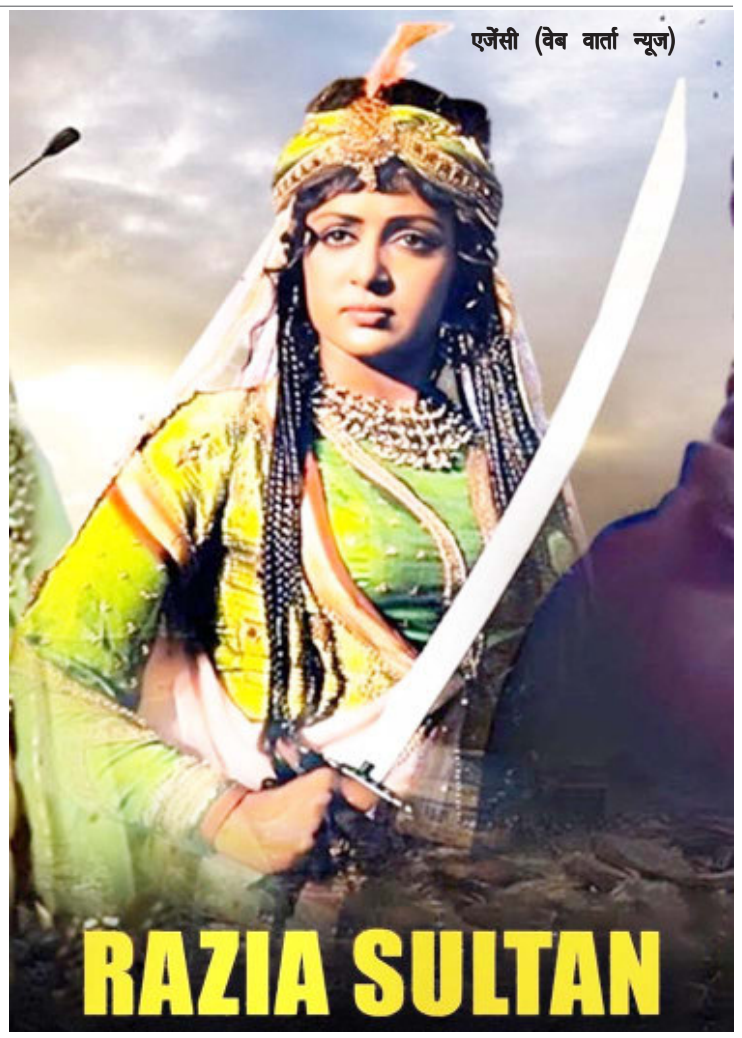

बॉलीवुड में महंगी फिल्मों की कोई कमी नहीं रही है, लेकिन ये कहानी है उस फिल्म की जो बेहद महंगी तो थी ही, लेकिन ये ऐसी फ्लॉप हुई कि डायरेक्टर का करियर ही खत्म हो गया। इतना ही नहीं, कहते हैं कि इस फिल्म से पूरा बॉलीवुड कर्ज में डूब गया। आइए, बताते हैं इसी फिल्म का किस्सा। साल 1970 और 80 के दशक में हिंदी फिल्मों का अलग दौर था, जहां एंग्री यंग मैन बने अमिताभ ने तहलका मचाया था। शोले की रिलीज के तुरंत बाद मेकर कमाल अमरोही ने उसी लेवल की एक पीरियड ड्रामा फिल्म बनाने की ठानी। उनका ड्रीम प्रोजेक्ट, जो कि अगली मुगल–ए–आजम थी, उसे बनाने में सात साल लग गए। कहते हैं कि इसका रिजल्ट ये हुआ कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री ही कर्ज में डूब गई।

एकमात्र महिला मुस्लिम शासक रजिया सुल्तान की कहानी

कमाल अमरोही की ये फिल्म भारत की एकमात्र महिला मुस्लिम शासक रजिया सुल्तान की कहानी थी, जो फाइनली 1983 में रिलीज हुई। इसे 10 करोड़ रुपये के कथित बजट में तैयार किया गया था। बताया जाता है कि ये फिल्म उस समय बनी सबसे महंगी भारतीय फिल्म श्शानश से भी महंगी साबित हुई।

उर्दू भाषा ने सबका दिमाग चकरा दिया

इस फिल्म में उस जमाने की बड़ा स्टार कास्ट थी, जिसमें हेमा मालिनी और धर्मेन्द्र के अलावा, परवीन बाबी, सोहराब मोदी और अजीत जैसे कलाकार भी थे। ये फिल्म उस दौर की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी, लेकिन ये इतनी बुरी तरह से पिट गई। इसकी एक नहीं बल्कि कई वजहें थीं। बताया गया कि दर्शकों को फिल्म जिस तरह से कठिन उर्दू भाषा को शामिल किया गया था, वो उनके पल्ले नहीं पड़ा। वहीं कुछ लोगों को फिल्म की लंबाई से भी काफी दिक्कत हुई।

धर्मेन्द्र का रंगा हुआ चेहरा देख भी लोगों ने बिचकाया मुंह

फिल्म में इस बात की भी जमकर आलोचना हुई कि धर्मेन्द्र मे गुलाम योद्धा याकूत की भूमिका निभाने के लिए अपना चेहरा ब्लैक कर लिया था। इन सभी चीजों ने श्रजिया सुल्तानश को गर्त में डुबोने का काम किया। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर महज 2 करोड़ रुपये की कमाई कर पाई थी।

हेमा और परवीन बाबी की नजदीयां देख हरीटेट हुए दर्शक

वहीं फिल्म में श्रजिया सुल्तानश का अकेलापन भी दिखाया गया, जिसमें याकूत के साथ उसके रोमांस के साथ ही उसकी सहायिका खाकुन यानी परवीन बाबी के साथ वह कई बार बेहद क्लोज दिखीं। उन दोनों के क्लोजनेस को दर्शक बर्दाश्त नहीं पाए।

परिवार वाले कन्नी काटने लगे इस फिल्म से

इतना ही नहीं दो महिलाओं के बीच के रिश्ते को दिखाने के लिए कमाल अमरोही ने दोनों किरदारों के बीच एक रोमांटिक गीत भी शामिल किया था। इन चीजों को लेकर काफी नेगेटिविटी फैली और परिवार वाली कैटिगरी के दर्शक इस फिल्म को देखने से कटने लगे। इसी के साथ मुस्लिम महिला को इस तरह से फिल्माने पर कई मौलवियों ने इसपर आपत्ति भी जताई।

दृष्टि धामी ने दिखाई बेटी की पहली झलक

टीवी एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने शादी के 9 साल बाद हाल ही में बेटी को जन्म दिया । दृष्टि ने 22 अक्टूबर को अपनी बेटी का स्वागत किया और अब उन्होंने अपनी नन्ही परी की पहली झलक फैन्स को दिखाई है। इस तस्वीर में दृष्टि धामी अपनी बेटी को सीने से चिपकाए दिख रही हैं।

टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक दृष्टि धामी ने शादी के 9 साल बाद बेटी को जन्म दिया। पिछले महीने 22 अक्टूबर को जन्म के बाद दृष्टि ने बेटी की पहली फोटो शेयर की है। दृष्टि ने बेटी की तस्वीर शेयर करते हुए अपने फैन्स को दीपावली की बधाई दी है। दृष्टि ने सोशल मीडिया पर हसबैंड नीरज और बेटी के साथ नजर आ रही हैं। दृष्टि ने अपनी लाडली को सीने से चिपका रखा है।

दृष्टि धामी ने दिखाई बेटी की पहली झलक

दृष्टि ने बिटिया की पहली झलक दिखाते हुए अपने फैन्स को दिवाली विश किया है। इस पोस्ट पर विक्रांत मेसी ने दृष्टि को विश किया है। उन्होंने लिखा है– बहुत बहुत शुभकामनाएं आपके खूबसूरत परिवार को, कृपा बनी रहे। इस तस्वीर पर फ्रेंड्स से लेकर फैन्स तक ने उन्हें बधाई दी है।

पति ने किया था मां बनने का ऐलान

बता दें कि दृष्टि ने 22 अक्टूबर 2024 को बेटी को जन्म दिया। मां बनने का ऐलान उनके पति नीरज खेमका ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया था। उन्होंने लिखा था, सीधा हेवेन (स्वर्ग) से हमारे दिलों में, एक पूरी नई जिंदगी एक नई शुरुआत।

विवियन डीसेन के साथ टीवी सीरियल मधुबालाश में

दृष्टि धामी ने जून 14 में प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। यहां बताते चलें कि नीरज खेमका और दृष्टि ने साल 2015 में शादी रचाई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो दृष्टि धामी विवियन डीसेन के साथ टीवी सीरियल मधुबाला को लेकर खूब चर्चा में रहीं। आखिरी बार वो दुरंगा सीरीज में नजर आई थीं। इससे पहले वह मधुबाला, सिलसिला बदलते रिश्तों का, गीत हुई सबसे पराई, एक था राजा एक थी रानी, परदेश में है मेरा दिल जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं।

99 प्रतिशत लोग नहीं जानते हल्दी वाला दूध बनाने का सही तरीका

हल्दी वाले दूध के बेशुमार फायदों की वजह से इसे गोल्डन मिल्क भी कहा जाता है। 99 प्रतिशत लोगों को इसे बनाने का सही तरीका नहीं पता है या फिर इसे सही वक्त पर नहीं पीते हैं। हल्दी वाले दूध में हल्दी के अलावा भी कई चीजें डलती हैं, जिससे फायदा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा गोल्डन मिल्क को पीने का सही वक्त आपकी समस्या पर निर्भर करता है।

हल्दी वाला दूध सुबह पीने के फायदे

हल्दी वाला दूध पीने से शरीर को कई सारे एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं, जो बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह दिमाग का फोकस बढ़ाता है और मूड बेहतर होता है। इस हेल्दी ड्रिंक को पीने से खाने के बाद ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। साथ ही एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल प्रॉपर्टी संक्रमणों से बचाती है। यह आपके पाचन को बढ़ाने में भी कारगर देखा गया है।

हल्दी वाला दूध कब पीना चाहिए?

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. अबरार मुल्तानी के मुताबिक आप अपने टारगेट के मुताबिक हल्दी वाला दूध पीने का सही समय चुन सकते हैं। हालांकि, इसे रात के समय पीना ज्यादा लाभदायक माना जाता है। क्योंकि इससे शरीर को शांति और आराम देने में मदद मिलती है।

रात में हल्दी का दूध पीने के फायदे

अगर आप रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीते हैं तो सबसे पहले आपको एक बेहतर नींद मिलती है। यह अकेला फायदा शरीर के बाकी सारे फायदे दे सकता है। क्योंकि नींद के दौरान शरीर को खुद रिपेयर करता है जो कि दूसरा कोई भी उपाय नहीं कर सकता। साथ ही यह आपकी मसल्स और हड्डियों के दर्द व इंफ्लामेशन को दूर करने में मदद करता है। अगले दिन आपका दिमाग ज्यादा रिलैक्स और प्रॉडक्टिव महसूस करता है। आपकी याददाश्त, फोकस स्ट्रेंथ बेहतर काम करती है।इसके साथ ही रात में हल्दी वाला दूध पीने से वो सारे फायदे भी मिलते हैं जो सुबह के वक्त पीने से मिलते हैं। इसके एंटीऑक्सीडेंट्स रात में सेल्स के डैमेज को कम करती है जोकि कैंसर का खतरा भी कम कर सकते हैं।

हल्दी वाला दूध बनाने का सही तरीका

अक्सर लोग हल्दी वाले दूध में केवल हल्दी और दूध का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ और सामग्रियों को मिलाने से इसे एक आयुर्वेदिक ड्रिंक बनाया जा सकता है। जो कि न केवल हल्दी मिले दूध के फायदों को ज्यादा असरदार बनाता है बल्कि इस लिस्ट को कई गुना बढ़ाता है। आपको दूध में हल्दी समेत 4 चीजों को डालना चाहिए।

आंत के लिए जहर है ग्लूटेन, आज से ही कर लें इससे तौबा

ग्लूटेन खाने पर व्यक्ति के पाचन तंत्र में गड़बड़ी को सीलिएक डिजीज कहते हैं। ग्लूटेन एक तरह का प्रोटीन होता है जो गेहूं और दूसरे कई अनाज में पाया जाता है। इस डिजीज को स्प्रू या कोएलियाक भी कहा जाता है। ग्लूटेन खाने पर इम्यून सिस्टम द्वारा दिया गया रिएक्शन ही सीलिएक डिजीज होता है। यह छोटी आंत को गंभीर नुकसान पहुंचता है जिससे वह सही तरीके से काम नहीं कर पाती है। इसके पीछे पारिवारिक और अनुवांशिक कारण हो सकते हैं। इसके लक्षणों में पेट से जुड़ी कई समस्याएं शामिल है। वहीं कुछ लोगों को इसके कारण उदासी और चिड़चिड़ापन भी महसूस होता है। यह एक अनुवांशिक रोग है। इसका पता लगाने के लिए डॉक्टर मरीज का ब्लड टेस्ट करवा सकते हैं। इसके अलावा छोटी आंत के टिश्यू लेकर उसकी जांच भी करवा सकते हैं।

सीलिएक डिजीज के लक्षण

सीलिएक डिजीज के लक्षण अलग–अलग हो सकते हैं और यह बार–बार आ और जा सकते हैं। इसके लक्षण या तो पूरी तरह से पता नहीं चल पाते हैं या फिर वे काफी गंभीर हो सकते हैं जो आपके जीवन को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, ब्लोटिंग, पेट में सूजन, असामान्य मल, वजन घटना, थकान और कमजोरी, कमजोर याददाश्त और डिप्रेशन और बच्चों में अधिक चिड़चिड़ापन।

सीलिएक डिजीज के कारण

ग्लूटेन के सेवन पर इम्यून सिस्टम का असाधारण रिएक्शन सीलिएक डिजीज होता है। ग्लूटेन नाम का यह प्रोटीन ब्रेड, बिस्किट, पास्ता और कई अनाज में पाया जाता है। इसमें इम्यून

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिस्टम हेल्दी सेल्स को खराब समझकर उनके खिलाफ एंटीबॉडीज का उत्पादन करने लगता है। इससे आंतों की सतह में सूजन और जलन की समस्या होने लगती है। आमतौर पर आंतों की सतह लाखों छोटी–छोटी ट्यूब के समान ग्रोथ से ढकी होती है जिन्हें विल्ली कहते हैं।
विल्ली आंतों की सतह को बढ़ाने का काम करती है जिससे भोजन को और प्रभावी रूप से पचाने में मदद मिलती है। सीलिएक डिजीज होने पर विल्ली कमजोर हो जाती है और पाचन में मदद करने की उसकी क्षमता पर भी असर पड़ता है। इसके परिणाम स्वरूप आंत भोजन से मिले पोषक तत्वों को पचाने में असफल रहती है और सीलिएक डिजीज के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

सीलिएक डिजीज के जोखिम

सीलिएक डिजीज परिवार में एक से दूसरे को हो सकता है। यानी आपके परिवार में अगर किसी को यह डिजीज है तो यह आपको भी हो सकता है। जिनके परिवार के सदस्यों में पहले यह रोग हो चुका है उनके लिए सीलिएक डिजीज होने का जोखिम सामान्य से 10: तक बढ़ जाता है। यदि पाचन तंत्र में इंफेक्शन है तब भी सीलिएक डिजीज का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, जैसे बचपन में रोटावायरस इन्फेक्शन होना। जानकारों के अनुसार यदि 3 महीने की उम्र होने से पहले किसी शिशु को ग्लूटेन युक्त आहार दिया जाता है तो उसे सीलिएक डिजीज हो सकता है। इसके अलावा कुछ स्वास्थ्य संबंधित स्थितियां है जो सीलिएक डिजीज को विकसित करने वाले जोखिम को बढ़ाते हैं, जैसे– टाइप 1 डायबिटीज, थायराइड, अल्सरेटिव कोलाइटिस, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और डाउन सिंड्रोम और टर्नर सिंड्रोम।

सीलिएक डिजीज का इलाज

सीलिएक डिजीज के मरीज को डॉक्टर जीवन भर ग्लूटेन फ्री फूड्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को इससे आराम हो जाता है लेकिन जिन लोगों की समस्या बनी रहती है उनके लिए डॉक्टर उन दवाओं का उपयोग करते हैं जो दूसरी बीमारियों में लालिमा और सूजन को कम करने के लिए की जाती हैं।

जानलेवा बन सकती है सिस्टिक फाइब्रोसिस की बीमारी, कैसे करें बचाव

सिस्टिक फाइब्रोसिस एक अनुवांशिक बीमारी है जो फेफड़े और पाचन तंत्र के अलावा शरीर के दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचाती है। सिस्टिक फाइब्रोसिस उन टिश्यू को डैमेज करता है जो बलगम, पसीना और डाइजेस्टिव जूस बनाते हैं। यह तरल पदार्थ सामान्य रूप से पतले और चिकने होते हैं। जिन लोगों को सिस्टिक फाइब्रोसिस की समस्या होती है उनमें असामान्य जीन के कारण यह तरल पदार्थ चिपचिपा और गाढ़ा हो जाता है। यह तरल पदार्थ लुब्रिकेंट का काम करने की जगह शरीर के अंगों की नालियां जाम कर देते हैं। खासतौर से लंग्स और पेनक्रियाज में यह इकट्ठा हो जाते हैं। सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है और यह आम लोगों की तरह अपने रोजाना के काम नहीं कर पाते हैं जैसे स्कूल और दफ्तर जाना। सही इलाज से रोगी का जीवन बेहतर हो सकता है और वह लंबे समय तक जिंदा रह सकता है। जीन में परिवर्तन आने के कारण सिस्टिक फाइब्रोसिस की समस्या होती है। जो प्रोटीन टिश्यू से नमक अंदर या बाहर भेजता है सिस्टिक फाइब्रोसिस के कारण उसमें बदलाव आ जाता है। इस वजह से रेस्पिरेटरी, डायजेस्टिव और रिप्रोडक्टिव ट्रैक्ट में बलगम, गाढ़ा और चिपचिपा हो जाता है। पसीने में भी नमक की मात्रा बढ़ जाती है। जिन बच्चों में माता–पिता के जीन की एक–एक कॉपी आती है उन्हें यह समस्या हो सकती है।

भूनने के बाद अमृत बन जाता है लहसुन, नस–नस में दौड़ेगी ताकत

लहसुन सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता बल्कि इससे सेहत को कई फायदे भी होते हैं। लहुसन खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, कोलेस्ट्रॉल कम होता है, खून साफ होता है, हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है, कैंसर से सुरक्षा होती है, जोड़ों में मजबूती आती है, यौन स्वास्थ्य में सुधार होता है, खांसी और दिल के रोगों से बचाव भी होता है। अगर बात करें लहसुन के पोषक तत्वों की, तो लहसुन मैंगनीज, विटामिन बी6, विटामिन सी, सेलेनियम और फाइबर जैसे पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत है। क्या आप जानते हैं कि लहसुन को भूनकर खाने से आप इसकी ताकत को और ज्यादा बढ़ा सकते हैं और इसके ज्यादा फायदे पा सकते हैं। अगर आप इसके ज्यादा फायदे लेना चाहते हैं, तो इसे भूनकर नीचे बताए खाद्य पदार्थों के साथ खाना चाहिए। भुने हुए लहसुन को क्विनोआ या ब्राउन राइस में मिलाएं। इन अनाजों में प्रोटीन और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लहसुन के स्वास्थ्य लाभों के साथ–साथ लंबे समय तक भूख को संतुष्ट रखता है। भुने हुए लहसुन को दही या ग्रीक दही के साथ मिलाकर एक स्वादिष्ट डिप बनाएं। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं।

चावल के साथ 1 चीज खाने से होगा डबल फायदा, एड़ी से चोटी तक आएगी जान

गलत चीजें खाने से ही शरीर की ताकत खत्म होती है और सही खानपान से ही एड़ी से चोटी तक जान आती है। कुछ खाद्य पदार्थों को साथ में खाने से डबल फायदा मिलता है। क्योंकि एक की कमी को दूसरा पूरा करता है और दोनों मिलकर संपूर्ण आहार बनाते हैं। जिसे आयुर्वेद में सबसे फायदेमंद माना जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट निशांत गुप्ता के मुताबिक यहां जितने भी फूड कॉम्बिनेशन हैं, वो सभी अमृत के समान हैं। क्योंकि इनके सेवन से आपके शरीर और दिमाग की सभी प्रकार की कमजोरी दूर हो जाएगी। आइए बेस्ट फूड कॉम्बिनेशन के बारे में जानते हैं। चावल एक अनाज है जो फाइबर, प्रोटीन, कार्ब्स देते हैं। इसके साथ दही खाने पर कैल्शियम, विटामिन, प्रोबायोटिक्स, फॉस्फोरस, राइबोफ्लेविन आदि मिलते हैं। सभी चीजें मिलकर मसल्स, हड्डियों और मस्तिष्क के लिए जरूरी पोषण देने का काम करती हैं। हल्दी और काली मिर्च दोनों ही एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टी से भरे हैं। हल्दी के अंदर एंटी इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं। इनका सेवन करने से खांसी–जुकाम दूर होता है और इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। जिससे आगे चलकर भी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। आयुर्वेद में विरुद्ध आहार लेने से मना किया है। इसमें विपरीत तासीर वाले फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए। जैसे ठंडे के साथ गर्म, खट्टे के साथ मीठा, ऐसे फूड्स खाने से पेट की समस्याएं और एलर्जी हो सकती है।

सर्वाधिक प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड

भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली के नाम क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20ए) में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने का अवॉर्ड हैं। उन्होंने 2008 से अब तक कुल 538 मैच खेलते हुए 21 बार यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। टेस्ट में तीन बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड, वनडे में 11 बार और टी20 में 7 बार ये मुकाम हासिल किया है। वह वनडे में सबसे ज्यादा 100 जड़ने वाले पहले क्रिकेटर हैं।

36 साल के हुए स्टार बैटर विराट कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 5 नवंबर 2024 को किंग कोहली 36 साल के हो गए हैं। मौजूदा समय में किंग कोहली भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं, उन्होंने टीम इंडिया के लिए काफी अहम पारियां खेली है। साल 2024 में विराट कोहली ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत के खिताब जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट में खेलते हुए नजर आते हैं। फैंस को हमेशा उनके जन्मदिन का बेसब्री से इंतजार रहता हैं और आज फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर अलग–अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाईयां दे रहे हैं। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनाने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली के नाम दर्ज हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 10 सितंबर 2023 को अपने 278 वनडे मैच में यह कारनामा किया था। इस मामले में वह महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से भी आगे हैं, जिन्होंने अपने 321 वनडे मैच में ये उपलब्धि हासिल की थी। उनके नाम सिर्फ सबसे तेज वनडे में 13 हजार रन ही नहीं, ब्लकि सबसे तेज 8000 रन, 9000 रन, 10000 रन, 11,000 रन, 12,000 रन भी दर्ज हैं।

एजाज पटेल जैसे गेंदबाज हर लोकल क्लब में मिल जाएंगे

क्रिकेट

मोहम्मद कैफ ने कीवी गेंदबाज को बताया रद्दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने हाल ही में भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3–0 से हरा दिया। सीरीज का आखिरी टेस्ट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया था जिसमें कीवी स्पिनर एजाज पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय टीम को हार सौंपी। इसके बाद जहां एजाज पटेल की हर जगह तारीफ हो रही है वहीं भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कीवी गेंदबाज की तुलना भारत के क्लब गेंदबाज से कर दी।

एजाज ने टेस्ट क्रिकेट में वो कारनामा किया है जो बहुत कम लोग कर पाए हैं और इसे लगभग असंभव सा माना जाता है। एजाज टेस्ट की एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिर्फ तीन गेंदबाजों ने ही विश्व क्रिकेट में अभी तक ऐसा

किया है। एजाज से पहले जिम लेकर और अनिल कुंबले ये काम कर चुके हैं। एजाज ने ये काम भी भारत के खिलाफ साल 2021 में मुंबई में किया था।

कैफ ने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज पर चर्चा कर रहे हैं। इसी दौरान वह एजाज पटेल की गेंदबाजी को लेकर बात करते हैं। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स, एजाज पटेल हैं, मैं झूठ नहीं बोल रहा, मैं जहां दिल्ली में प्रैक्टिस करता हूं आरपी एकेडमी में वहां आपको रोज ऐसे गेंदबाज मिल जाएंगे। एजाज पटेल जो बॉल डाल रहे हैं, उनका अगर पिच मैप देखोगे ना तो दो बॉल तो वो शॉर्ट डाल रहे हैं। दो फुलटॉस डाल रहे हैं। दो लैंग्थ गेंद डाल रहे हैं, वहां पर हम आउट हो रहे हैं। कैफ ने आगे कहा, फिलिप्स जो पार्ट टाइम गेंदबाज हैं। उनका कंधा खुल गया। उन्होंने इतनी गेंदबाजी कभी नहीं की होगी। वह फुलटॉस डाल रहे हैं कीपर बाई दे रहा है। मतलब जीरो गेंदबाजी। पार्ट टाइमर्स से हम हार गए। चाहे एजाज पटेल ने 22 विकेट लिए हैं वानखेड़े में, लेकिन अगर आप बॉल टू बॉल देखोगे तो उनकी बॉल लैंड नहीं हो रही है सिर्फ दो गेंद वो ठीक डाल रहे हैं। कैफ ने साफ तौर पर टीम इंडिया के बल्लेबाजों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के स्पिनर ज्यादा अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे थे लेकिन फिर भी भारतीय बल्लेबाज उन्हें खेल नहीं पाए। कैफ भारत की हार से काफी निराश दिखे।

वसीम अकरम की बात सुनकर हैरान रह गए माइकल वॉन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है जहां तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने टीम के एक खिलाड़ी के बारे में ऐसा खुलासा कर दिया कि इंग्लैंड के माइकल वॉन हैरान रह गए। अकरम ने ये खुलासा कामरान गुलाम को लेकर किया था। अकरम और वॉन दोनों पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया सीरीज में कॉमेंट्री कर रहे हैं। इसी दौरान अकरम ने कामरन गुलाम के परिवार और उनके भाई–बहनों को लेकर एक बात बताई जिसे सुन वॉन हैरान रह गए। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि ऐसा भी हो सकता है। अकरम ने इस दौरान बताया कि कामरान गुलाम के 11 भाई और चार बहने हैं। ये सुनकर वॉन को यकीन नहीं हुआ।

क्यों भारतीय बल्लेबाज स्पिन के सामने नजर आ रहे कमजोर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजों को एक समय स्पिन का मास्टर माना जाता था। भारत के बल्लेबाज स्पिनरों को बेहतरीन तरीके से खेलते थे जिसके कारण स्पिनर कभी भी उनके लिए परेशानी नहीं बने। हालांकि अब स्थिति बदल गई है। बीते कुछ सालों में देखा गया है कि भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के सामने घुटने टेक देते हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में भी यही देखने को मिला।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बताया है कि क्यों भारतीय बल्लेबाज स्पिन के सामने कमजोर नजर आ रहे हैं। भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड के हाथों अपने घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3–0 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत को पहली बार

■सुनील गावस्कर ने बताई भारतीय बल्लेबाजों की कमी

अपने घर में तीन या इससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम के साथ पहले कभी भी ऐसा नहीं हुआ। ये हार भारत के लिए कलंक जैसी है।

महान बल्लेबाजों में शुमार सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया के बल्लेबाजों की उस कमी को उजागर किया है जिसके चलते उन्हें स्पिन खेलने में परेशानी हो रही है। गावस्कर ने कहा है कि ज्यादा सीमित ओवरों की गेंद से खेलने के कारण बल्लेबाज टेस्ट में हल्के हाथ से खेलना भूल गए हैं और ये स्पिन खेलने के लिए काफी अहम है।

उन्होंने कहा, ये तब से हो रहा जब से सीमित ओवरों की क्रिकेट ज्यादा होने लगी है। सीमित ओवरों में बल्लेबाज कड़क हाथ से गेंद को खेलते हैं। वहां आप गेंद को पुश करते हैं ताकि गेंद दूर चली जाए। लेकिन जहां पिच के गेंदबाजों को मदद मिलती है।

चाहे फिर गेंद स्विंग हो रही हो या सीम, वहां मुझे लगता है कि आपको हल्के हाथ से गेंद को खेलना चाहिए। अगर आप दोनों हाथ हल्के नहीं रख सकते तो एक हाथ हल्का रखें। इससे आप बैट की स्पीड को कंट्रोल कर पाएंगे।

गावस्कर ने कहा, इससे क्या होगा कि जो गेंदें बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में जा रही हैं तो वो आपके पास ही गिर जाएंगी। बल्ले की स्पीड एक बड़ा कारण है क्योंकि भारत इस समय टेस्ट से ज्यादा सफेद गेंद की क्रिकेट ज्यादा खेल रहा है।

न्यूज डायरी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बिहार पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गया। नालंदा जिले के राजगीर स्पोर्ट्स कंपलेक्स में एशिया महिला हॉकी प्रतियोगिता 11 नंबर से 20 नंबर तक आयोजित होगी। महिला हॉकी भारतीय टीम ज्ञान की भूमि बोधगया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पहुंची। जैसे ही भारतीय महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर विमान से महिला टीम बाहर निकली तो गया जिलाधिकारी डॉक्टर त्याग राजन एसएम और गया के एसएसपी आशीष भारती एयरपोर्ट पर स्वागत किया इस मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक प्रेरणा कुमार सदर एसडीओ की किश्ल्य श्रीवास्तव सहित जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। एयरपोर्ट निकास द्वार पर खिलाड़ियों को तिलक लगाकर,अंग वस्त्र पुष्प बारिश कर ढोल नगाड़े बजे के साथ जोरदार स्वागत किया गया। महिला भारतीय हॉकी टीम पूरी सुरक्षा के बीच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से बाहर निकली और पूरी टीम ग्रुप फोटो सेशन हुआ। उसके बाद मीडिया को ब्रीफिंग की गई। भारतीय महिला हॉकी टीम कड़ी सुरक्षा के बीच बस पर सवार होकर नालंदा जिला के राजगीर स्पोर्ट्स कंपलेक्स ले जाया गया। इस टूर्नामेंट में 6 देशों की टीम भाग लेय रही है, इनमें भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड हैं। महिला हॉकी टीम का कैप्टन सलीमा टेटे कोच हरेंद्र सिंह ने मीडिया को ब्रीफ किया। सलीमा टेटे ने कहा कि हमने बेंगलुरु में जो भी ट्रेनिंग की है उसे हमें यहां दिखाने का मौका मिलेगा।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी एक्शन को लेकर अंपायरों ने की शिकायत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन इस समय मुसीबत में फंस गए हैं। वह इस समय इंग्लैंड में खेल रहे हैं जहां उनकी शिकायत की गई है। शाकिब इंग्लैंड में सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं और अंपायरों ने उनके गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की है। अंपायरों ने उनके एक्शन को संदिग्ध पाया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा शाकिब को गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करने को कहा गया है। शाकिब ने सितंबर में सरे के लिए खेलते हुए सोमरसेट के खिलाफ कुल नौ विकेट लिए थे। हालांकि, अब पता चला है कि मैदानी अंपायर स्टीव ओ शॉगनेसी और डेविड मिलिंस ने उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाया है और इसकी शिकायत की है। शाकिब 13 साल बाद काउंटी क्रिकेट खेलने पहुंचे थे। उन्होंने इससे पहले साल 2010–11 में वॉर्सेस्टशर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला था। इस बार उन्होंने सरे के लिए खेलने का फैसला किया क्योंकि सरे के आठ खिलाड़ी इस समय इंग्लैंड की नेशनल टीम के साथ हैं। वेबसाइट क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो शाकिब पर बैन नहीं लगेगा, लेकिन अगले कुछ सप्ताह में वह टेस्ट से गुजरेंगे। ये शाकिब के लिए हैरानी वाली बात है क्योंकि 17 साल के करियर में अभी तक उनका गेंदबाजी एक्शन कभी भी शक के दायरे में नहीं आया है। शाकिब अपने घर बांग्लादेश लौट नहीं पा रहे हैं। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद बांग्लादेश में शुरू हुए गृहयुद्ध ने शाकिब को परेशानी में डाल दिया है।

तिलक वर्मा की होगी वापसी, यश दयाल कर सकते डेब्यू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच 8 नवंबर से टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। पहला मैच किंग्समीड, डरबन में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम की कोशिश इस मुकाबले को अपने नाम कर जीत के साथ सीरीज का आगाज करना चाहेगी। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने वाली भारतीय टीम कुछ बदलाव के साथ साउथ अफ्रीका दौरे पर गई है। नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके अलावा रियान पराग और मयंक यादव चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। भारत को प्लेइंग इलेवन में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नीतीश रेड्डी, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर और मयंक यादव ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के सभी तीन मैच खेले थे। अब यह प्लेयर स्क्वॉड में नहीं हैं। ऐसे में तिलक वर्मा 11 महीने बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा रहे अक्षर पटेल बतौर ऑलराउंडर खेल सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने मेजर जनरल जी.डी. बख्शी (से.नि.) की पुस्तक का किया विमोचन

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को टोंस ब्रिज स्कूल, देहरादून में मेजर जनरल जी.डी. बख्शी (से.नि.) द्वारा लिखित पुस्तक ए हिस्ट्री ऑफ हिंदुइस्म का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अल्मोड़ा बस हादसे में दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर जनरल जी.डी बक्शी (से.नि) की यह पुस्तक अवश्य पाठकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। जी.डी बक्शी एक सैन्य अधिकारी के साथ महान राष्ट्रवादी और विभिन्न विषयों के जानकार एवं विचारक भी हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञता के साथ ही उन्होंने सेना में अनेक विशिष्टाएं प्राप्त की।

नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत

संवाददाता देहरादून। मंगलवार को नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत हो गई। इसमें प्रातरू काल नहा–धोकर सूर्य को जल अर्पित करने के बाद लाखों छठ व्रती महिलाओं ने छठी माता की आराधना के बाद मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी में बनी कद्दू की सब्जी, अरहर की दाल और कच्चे चावल के भात का प्रसाद लेकर इस महापर्व की औपचारिक शुरुआत की। पूर्वा सांस्कृतिक मंच के संस्थापक महासचिव सुभाष झा का कहना है कि नहाय खाय से इस महापर्व की शुरुआत हो गई है। इसके बाद छह तारीख को खरना होगा।

नगर निगम के 400 से अधिक वाहनों पर भिक्षावृत्ति मुक्ति का बजेगा सन्देश'

संवाददाता देहरादून। जनपद को भिक्षावृति से मुक्त करने के लिए जिलाधिकारी देहरादून सविन डीएम सविन बंसल की अभिनव पहल शहर एवं गलियारों में भिक्षावृति से बच्चों को मुक्ति हेतु गूंज रही है। उनके द्वारा मंगलवार को जनपद के सभी नगर निकाय के वाहनों पर भिक्षुवृति से मुक्ति जागरूकता संदेश बजाए जाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को भिक्षा नहीं, भोजन, संरक्षण स्नेह व शिक्षा देने की अपील की।

न ड्रग्स लेंगे न लेने देंगे की शपथ दिलाई

संवाददाता देहरादून। 'न ड्रग्स लेंगे न लेने देंगे अभियान के तहत मंगलवार को राज्य अतिथि गृह में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को शपथ दिलाई गई। शपथ संख्य योग फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोवैज्ञानिक डॉ. मुकुल शर्मा ने दिलाई। उन्होंने अपील की है कि यदि कोई भी सूचना ड्रग्स के व्यापार या लेनदेन की मिलती है तो तुरंत पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारियों को सूचित करें। कार्यक्रम का संचालन प्राची ने किया।

आयुर्वेद क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों को किया जाए प्रदर्शितः मुख्य सचिव

निर्देश

■ 12 से 15 दिसम्बर को उत्तराखण्ड में आयोजित होगी 10वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एण्ड अरोग्य एक्सपो

■ आयुष, पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति, परिवहन, उच्च शिक्षा व चिकित्सा शिक्षा विभाग को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। राज्य में 10वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एण्ड अरोग्य एक्सपो के आयोजन की पुख्ता व्यवस्था को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में मंगलवार को आयुष, पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति, परिवहन, उच्च शिक्षा व चिकित्सा शिक्षा विभाग को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए।

वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के उत्तराखण्ड राज्य में आयोजन को ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम अवसर बताते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए किए कि इस दौरान आयुर्वेद क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस आयोजन के दौरान सभी आयुष हितधारकों, आयुर्वेदिक शैक्षणिक संस्थाओं, उद्यमों व राज्य एवं केन्द्रीय स्तर के संगठनों, औषधीय पौध क्षेत्र, आयुष हेल्थ केयर से जुड़े लोगो व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभी तक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 4501 डेलिगेट्स उत्तराखण्ड के देहरादून में आयोजित होने वाली आगामी वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के लिए रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। डेलिगेट्स हेतु रजिस्ट्रेशन 15 नवम्बर तक खुले हुए हैं। सीएस ने संस्कृति विभाग को वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संचालन हेतु निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग को अतिथियों के आवागमन हेतु विशेष बसों की व्यवस्था एवं ट्रैफिक के प्रबंधन के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखण्ड में 12 से 15 दिसम्बर 2024 तक प्रस्तावित 10वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एण्ड अरोग्य एक्सपो प्रस्तावित है। वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस, वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा स्थापित मंच है, जिसका लक्ष्य आयुर्वेद का वैश्विक स्तर पर प्रचार–प्रसार करना है। पहला वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस 2002 में कोच्चि में एक आउटरीच कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। इसके बाद हर दो साल में पुणे, जयपुर, बैंगलोर, भोपाल, दिल्ली, कोलकाता और अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के माध्यम से आयुर्वेद को प्रोत्साहित करने व वैश्विक स्तर पर प्रचार–प्रसार में सहायता मिली। आगामी 10वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एण्ड अरोग्य एक्सपो में देशभर से आयुष व आयुर्वेद क्षेत्र जुड़े प्रतिनिधियों, संस्थाओं, संगठनों, एनजीओं के साथ ही यूरोप, अफ्रीका, एशिया, लेटिन अमेरिका, नार्थ ईस्ट एशिया के विभिन्न देश प्रतिभाग करेंगे। 10वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एण्ड अरोग्य एक्सपो की थीम ''डिजिटल हेल्थ'' रखी गई है।

बैठक में सचिव रविनाथ रमन, दीपेन्द्र कुमार चौधरी, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सभी व्यवस्थाओं के पुख्ता प्रबन्धन करने के निर्देश

मुख्य मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारी देहरादून को वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर नोडल अधिकारियों को जल्द नामित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उक्त सम्मेलन में देश और विश्वभर से प्रतिभाग करने वाले अतिथियों हेतु सभी व्यवस्थाओं के पुख्ता प्रबन्धन करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग को आयोजन स्थल एवं अन्य सम्बन्धित मार्गों की सुव्यवस्था एवं आवश्यक मरम्मत हेतु निर्देश दिए गए हैं।

सादगी से मनाये जायेंगे राज्य स्थापना के कार्यक्रमः सीएम

निर्णय

■ मुख्यमंत्री ने मार्चुला में हुए बस हादसे के कारण लिया निर्णय

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य स्थापना के कार्यक्रम सादगी से मनाये जायेंगे। मार्चुला में हुए बस हादसे के कारण मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया है। सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि यह आकलन कर लिया जाए कि पर्वतीय क्षेत्रों में कहां अतिरिक्त बसें चलाने की आवश्यकता है। आवश्यकता के अनुसार नई गाड़िया खरीदकर उन क्षेत्रों में व्यवस्था की जाए। त्योहारों के दृष्टिगत भी जिन क्षेत्रों में अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने की आवश्यकता प्रतीत होती है, वह व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मुख्यमंत्री ने पहले ही निर्देश दिये थे कि सुरक्षा की दृष्टि से सड़कों पर क्रैश बैरियर लगाये जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों का जबाब तलब किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस दुर्घटना में अपने माता–पिता को खोने वाली बेटी शिवानी की देखभाल और शिक्षा कि जिम्मेदारी राज्य सरकार लेगी, ताकि वह जीवन में आगे बढ़कर स्वयं और अपने माता–पिता के सपने साकार कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल हुई वाहन दुर्घटना में सबंधित चौकी प्रभारियों की भी जिम्मेदारी तय की जाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 08 नवम्बर को प्रस्तावित सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों को स्थगित कर प्रदेशभर में सेवा और स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। राज्य स्थापना दिवस के तहत आयोजित होने वाले बड़े समारोह, लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रमों के दौरान भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया जायेगा।

विधायकों के वेतन–भत्ते पेंशन बंद कराने को मोर्चा ने बोला हल्ला

संवाददाता विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में तहसील घेराव कर विधायकों के वेतन– भत्ते पेंशन बंद कराने को लेकर तहसील में प्रदर्शन घेराव कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी की गैर मौजूदगी में तहसीलदार विवेक राजौरी को सौंपा। नेगी ने कहा कि प्रदेश का इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि जो प्रदेश कर्ज के सहारे चल रहा हो तथा उसके ऊपर लगभग 90 हजार करोड़ की उधारी हो एवं प्रतिवर्ष लगभग 6600 करोड रुपए ब्याज के चुका रहा हो, ऐसे प्रदेश में एक विधायक को लगभग 3 लाख रुपए वेतन–भत्ते एवं 40,000 पेंशन प्लस स्लैब. 20,000 रुपए ईंधन भत्ता दिया जा रहा हो, इन हालातों में प्रदेश दिवालिया नहीं होगा तो और क्या होगा! सरकार को इन विधायकों को मिलने वाला निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 1,50,0000, जन सेवा भत्ता 60,000 एवं वेतन 30,000 बिल्कुल बंद करना चाहिए।

In a Digital World Why
To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code

Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।